

पुड़िया स्त्री. (तद्.) कागज का छोटा टुकड़ा जिसमें किसी वस्तु को लपेटकर रखा गया हो मुहा. आफत की पुड़िया- देखने में छोटी परंतु अत्यंत हानिकर वस्तु, बहुत हानिकारक व्यक्ति।

पुड़ी स्त्री. (तद्.) पुटी, पुड़िया टि. किसी स्थान, प्रांत विशेष पर खाने वाली पुरी/पूरी के लिए पुड़ी का प्रयोग मिलता है।

पुण्य वि. (तत्.) 1. पवित्र, शुद्ध 2. मंगलकारी, शुभ विलो. पाप।

पुण्यकर्ता पुं. (तत्.) पुण्य करने वाला व्यक्ति, पुण्यशील।

पुण्यकर्म पुं. (तत्.) शुभ कर्म।

पुण्यकर्मा वि. (तत्.) 1. शुभ कर्म करने वाला 2. धर्मात्मा/पुण्यात्मा, पुण्यशील।

पुण्यकाल पुं. (तत्.) धार्मिक दृष्टि से वह शुभ समय जिसमें स्नान, दान आदि करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है यथा- अमावस्या, पूर्णिमा, संक्रांति आदि।

पुण्यकीर्तन पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. धर्मग्रंथों का पाठ/वाचन।

पुण्यकीर्ति वि. (तत्.) 1. प्रसिद्ध, यशस्वी।

पुण्यक्षेत्र पुं. (तत्.) 1. तीर्थस्थान 2. भारतदेश।

पुण्यगृह पुं. (तत्.) 1. देवमंदिर 2. वह घर जहाँ लोगों को दान दिया जाता है।

पुण्यजन पुं. (तत्.) 1. पुण्यशील व्यक्ति, पुण्य कर्म करने वाला व्यक्ति 2. दानव 3. यक्ष टि. पुण्यजनों के स्वामी कुबेर।

पुण्यजित वि. (तत्.) धार्मिक कार्यों को करने से प्राप्त पुण्य द्वारा जीता हुआ या प्राप्त हुआ फल/परिणाम।

पुण्यतिथि स्त्री. (तत्.) किसी आदरणीय या सम्माननीय व्यक्ति की मृत्यु/देहावसान की तिथि।

पुण्यदर्शन वि. (तत्.) 1. जिसके दर्शनमात्र से शुभ/पुण्य फल प्राप्त होता हो 2. सुंदर।

पुण्यपुरुष पुं. (तत्.) पुण्यशील व्यक्ति, धर्मात्मा व्यक्ति।

पुण्य-प्रकोष वि. (तत्.) पुण्य कर्मों का उत्तम भंडार।

पुण्य-प्रताप पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति के पुण्य (शुभ कर्मों का प्रताप)।

पुण्यफल पुं. (तत्.) किसी के शुभ कर्मों का फल।

पुण्यभूमि स्त्री. (तत्.) तीर्थ स्थान, धार्मिक स्थल।

पुण्ययोग पुं. (तत्.) पूर्वजन्म के किए गए पुण्य कर्मों का फल।

पुण्यलोक पुं. (तत्.) स्वर्ग।

पुण्यवान वि. (तत्.) शुभ कार्य/कर्म करने वाला व्यक्ति, पुण्यशील व्यक्ति।

पुण्यशील वि. (तत्.) जो व्यक्ति स्वभाव से ही अच्छे कर्म करने वाला हो।

पुण्यश्लोक वि. (तत्.) आदर्श चरित्र और उत्तम कीर्ति वाला।

पुण्यस्थान पुं. (तत्.) ज्यो. किसी व्यक्ति की कुंडली में उसके लग्न से नौवा स्थान।

पुण्यस्पर्श पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति के जीवन में किसी ऐसे व्यक्ति का पवित्र स्पर्श जिससे उसका जीवन बदल जाय।

पुण्याई स्त्री. (तद्.) पुण्य कर्म का प्रभाव, शुभ कर्म का प्रभाव/फल।

पुण्यतिथि पुं. (तत्.) 1. ऐसा शुभ दिन जिसमें धर्म, लोकोपकार आदि की दृष्टि से अच्छे कर्म (दान, स्नान आदि) करने का विधान हो 2. किसी महापुरुष के निधन की वार्षिक तिथि।

पुण्यात्मा वि. (तत्.) पुण्य कार्य करने वाला विलो. पापी, दुष्टात्मा।

पुण्यार्थ वि. (तत्.) 1. पुण्य प्राप्त करने के निमित्त किया गया कार्य 2. परोपकार हेतु किया गया दान आदि।